डॉ बाबासाहेब आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिन भाषण

माननीय प्रधानाचार्य महोदय, पूज्य गुरुजन वर्ग, तथा मेरे प्यारे साथियों,

आज **6 दिसंबर** को हम सभी यहाँ, भारत के महानतम सपूत, **परम पूज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर** को उनके **महापरिनिर्वाण दिवस** पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह दिन न केवल एक महान आत्मा के विदा होने का स्मरण है, बल्कि यह हमारे देश के सामाजिक इतिहास का वह गौरवपूर्ण अध्याय है जिसने समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की नींव को मजबूत किया।

बाबासाहेब आंबेडकर एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक **विचार** थे, और विचार कभी मरते नहीं।

□ संघर्ष और शिक्षा की शक्ति

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर का जीवन **अदम्य संघर्ष, ज्ञान और सामाजिक क्रांति** का प्रतीक रहा है। उनका जन्म एक ऐसे समाज में हुआ था जहाँ **अस्पृश्यता** जैसी भयानक सामाजिक कुरीति चरम पर थी। उन्होंने स्वयं इस अन्याय का सामना किया।

परंतु, बाबासाहेब ने इन बाधाओं को अपनी **शिक्षा** के मार्ग में कभी नहीं आने दिया। वे मानते थे—

"ज्ञान ही मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ शस्त्र है।"

इसी दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर देश-विदेश से **एम.ए., पीएच.डी., डी.एस.सी.** जैसी अनेकों सर्वोच्च डिग्रियाँ हासिल कीं और दुनिया को दिखा दिया कि गरीबी या जाति किसी की प्रतिभा को बाँध नहीं सकती। उन्होंने ही हमें वह मूल-मंत्र दिया:

- **'शिक्षित बनो, संगठित रहो, और संघर्ष करो।'**

यह मूल-मंत्र आज भी हर पिछड़े और शोषित वर्ग के लिए उत्थान का मार्ग है।

□ भारतीय संविधान के जनक

डॉ. आंबेडकर का सबसे बड़ा और चिरस्थायी योगदान **भारतीय संविधान** के निर्माण में है। वे **संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष** थे। उन्होंने एक ऐसा अद्भुत दस्तावेज तैयार किया जिसने हर नागरिक को जाति, धर्म या लिंग से ऊपर उठकर **न्याय, स्वतंत्रता और समानता** का अधिकार दिया।

उनके प्रयासों से ही हम आज **लोकतांत्रिक** देश के रूप में गर्व से खड़े हैं। संविधान के माध्यम से उन्होंने एक ऐसे राष्ट्र की संरचना खड़ी की, जहाँ हर व्यक्ति को सम्मान और अवसर मिले।

उन्होंने घोषणा की थी:

“मैं उस धर्म को मानता हूँ जिसमें स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हो।”

उनका यह विचार हमेशा हमें प्रेरित करता रहेगा:

"हम भारतीय हैं, सबसे पहले और अंत में।"

□ सच्ची श्रद्धांजलि: संकल्प और मार्ग

आज महापरिनिर्वाण दिवस पर, हमें सिर्फ उन्हें याद नहीं करना है, बल्कि उनके अमूल्य विचारों को **आत्मसात** करना है। बाबासाहेब वह आवाज़ थे जो सदियों की पीड़ा को शब्द दे गई और यह सिखा गई कि **संघर्ष जितना बड़ा, सफलता उतनी महान**।

हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम समाज में फैली **असमानता और भेदभाव** को दूर करने में अपना योगदान देंगे। हमें शिक्षा, मानवता और संविधान को प्राथमिकता देनी होगी, जैसा कि बाबासाहेब चाहते थे।

आइए, इस महान आत्मा को याद करते हुए, हम सब मिलकर ये प्रेरणादायक पंक्तियाँ दोहराएँ:

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net

"चलो कदम बढ़ाएँ हम, उनके दिखाए मार्ग पर,

न्याय समानता का दीप जले, हर एक के हृदय-द्वार पर।

अधिकार मिला सम्मान मिला, संविधान से नया ज्ञान मिला,

भारत को बाबा साहेब ने महान किया।।"

□ निष्कर्ष

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने हमें सिखाया कि जीवन लंबा होने से नहीं, **महान होने से सफल** बनता है। उनके विचार, उनका संघर्ष और उनका संविधान हमें हमेशा **सत्य और न्याय** की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

हम सब मिलकर उनके सपनों का **समतावादी और न्यायपूर्ण** भारत बनाने में अपना योगदान देंगे—यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।

जय भीम! जय भारत!

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net